

# ग्रामीण स्वास्थ्य मित्र (GSM) प्रोजेक्ट - दृष्टि और मिशन

## परिचय

भारत जैसे विशाल और जनसंख्या बहुल देश में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित और असमान है। विशेष रूप से बिहार जैसे राज्यों में, जहाँ 80% से अधिक जनसंख्या गाँवों में निवास करती है, वहाँ समय पर स्वास्थ्य जांच और गुणवत्तापूर्ण उपचार की सुविधा बहुत बड़ी चुनौती है। इसी पृष्ठभूमि में **ग्रामीण स्वास्थ्य मित्र (GSM) प्रोजेक्ट** की परिकल्पना की गई है। यह प्रोजेक्ट ग्रामीण स्तर पर प्रशिक्षित युवाओं को जोड़कर एक ऐसा **डिजिटल स्वास्थ्य नेटवर्क** तैयार करता है जो हर नागरिक तक बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाए।

## परियोजना की दृष्टि (Vision)

ग्रामीण स्वास्थ्य मित्र प्रोजेक्ट की दृष्टि है -

- “स्वस्थ ग्राम, सशक्त समाज” – हर गाँव, हर घर तक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा पहुँचाना।
- स्वास्थ्य सेवाओं को **सुलभ, सस्ती और डिजिटल रूप से पारदर्शी** बनाना।
- रोगों की प्रारंभिक पहचान** कर गंभीर बीमारियों से बचाव सुनिश्चित करना।
- हर व्यक्ति का **डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड** बनाकर भविष्य की स्वास्थ्य नीतियों और रिसर्च को मजबूत करना।
- समाज में स्वास्थ्य जागरूकता** और निवारक चिकित्सा (Preventive Health Care) की संस्कृति विकसित करना।
- युवाओं, विशेषकर ग्रामीण युवाओं को रोजगार देकर **स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक सेवा** के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना।
- बिहार को भारत का पहला ऐसा राज्य बनाना, जहाँ **पूरी आबादी की स्वास्थ्य स्क्रीनिंग और निगरानी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध** हो।

इस प्रकार GSM प्रोजेक्ट का Vision केवल इलाज तक सीमित नहीं है, बल्कि **संपूर्ण स्वास्थ्य पारिस्थितिकी (health ecosystem)** को बदलने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

---

## परियोजना का मिशन (Mission)

ग्रामीण स्वास्थ्य मित्र प्रोजेक्ट का मिशन है -

### 1. स्वास्थ्य मित्रों का सशक्तिकरण

- बिहार के प्रत्येक वार्ड और पंचायत में स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित करके 2.3 लाख से अधिक ग्रामीण स्वास्थ्य मित्र (GSM) तैयार करना।
- प्रत्येक ब्लॉक में 534 BHM (Block Health Manager) और प्रत्येक जिले में 38 DHM (District Health Manager) नियुक्त करना।

### 2. स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच

- 13.10 करोड़ जनसंख्या की वार्षिक स्क्रीनिंग।
- प्रत्येक व्यक्ति की रक्तचाप (BP), शुगर, हृदय रोग, हड्डी रोग, स्त्री रोग, बच्चों की वृद्धि, कैंसर और संक्रामक रोगों की जांच डिजिटल उपकरणों से करना।

### 3. डिजिटल स्वास्थ्य प्रणाली का विकास

- प्रत्येक नागरिक का डिजिटल हेल्थ कार्ड/रिकॉर्ड तैयार करना।
- मोबाइल ऐप और पोर्टल के माध्यम से रोगी और डॉक्टर के बीच सीधा डिजिटल कनेक्शन।
- AI आधारित रोग विश्लेषण प्रणाली, जो भविष्य की बीमारी की संभावना का अनुमान लगाएगी।

### 4. जागरूकता और निवारण

- प्रत्येक गाँव में स्वास्थ्य शिविर, फलू अवेयरनेस प्रोग्राम, कैंसर और डायबिटीज स्क्रीनिंग कैम्प का आयोजन।
- महिलाओं और बच्चों में कुपोषण और एनीमिया पर विशेष फोकस।
- स्कूलों और पंचायत स्तर पर हेल्थ एजुकेशन प्रोग्राम।

### 5. साझेदारी और सहयोग

- सरकारी योजनाओं जैसे आयुष्मान भारत, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन से तालमेल।
- CSR कंपनियाँ, मेडिकल संस्थान, फार्मा कंपनियाँ और टेक्नोलॉजी पार्टनर्स के साथ सहयोग।
- रिसर्च और पब्लिक हेल्थ स्टडी के लिए विश्वविद्यालयों और मेडिकल कॉलेजों से भागीदारी।

### 6. आर्थिक और सामाजिक प्रभाव

- ग्रामीण युवाओं को रोजगार और प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाना।

- बीमारियों की शुरुआती पहचान से इलाज का खर्च कम करना और लोगों की जीवन गुणवत्ता बढ़ाना।
- राज्य के हेल्थ इंडेक्स और मानव विकास सूचकांक (HDI) में सुधार।

## **निष्कर्ष**

**ग्रामीण स्वास्थ्य मित्र प्रोजेक्ट का Vision और Mission बिहार में एक ऐसे “स्वास्थ्य क्रांति” की नींव रखता है, जिसमें हर नागरिक को बिना भेदभाव के स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हो।**

जहाँ Vision हमें भविष्य की एक स्पष्ट तस्वीर दिखाता है - “हर गाँव स्वस्थ, हर नागरिक सुरक्षित”, वहीं Mission हमें उस दिशा में ठोस कदम उठाने की योजना देता है। यह प्रोजेक्ट न केवल रोगों की रोकथाम और इलाज में मदद करेगा, बल्कि डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और स्वास्थ्य सबके लिए जैसे राष्ट्रीय लक्ष्यों की प्राप्ति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।